

मनोज

कॉमिक
विशेषांक

मूल्य : रुपये 16.00

महाबलीशेर

रबूनी दानव की वापसी

Edited By Mohit Raghav





खूनी

दानव

की वापसी

चित्रकार : सुरेन्द्र सुमन
कथनक : लीजार्डो बेगाल
सं. ११ २०१३

राजनगर सिटी
हॉस्पिटल में —

आ...ह !

राजनगर सिटी हॉस्पिटल

शुक्र है अल्लाह
का ! आखिर तुम्हें
होश आ ही
गया ।

अचानक रुक भटके से
उठ कर बैठ गया वह ।

डॉक्टर अब्दुल बहिद
उसकी तरफ बढ़े ।

म... मैं
कहाँ हूँ ?

कहाँ
हूँ मैं ?

यह सिटी
हॉस्पिटल है
मि० । पिछले दस
वर्षों से यहाँ इलाज
चल रहा था
तुम्हारा ।

यस ! तुम पिछले
दस सालों से इस
हॉस्पिटल में हो।
आज दस साल बाद
बेहोशी टूटी है
तुम्हारी ।

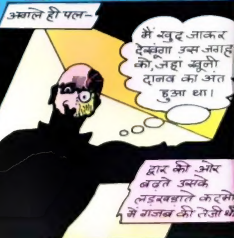
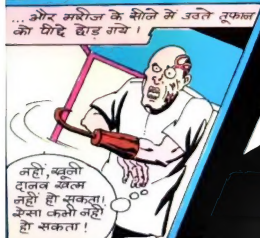
द... दस
साल ! इसका
मतलब मैं...!

ओह !

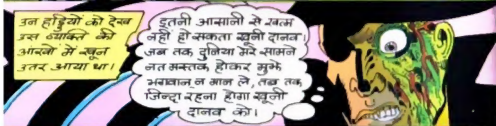




फिर डॉ० अब्दुल वाहिद उसे खुली दानव के सारे जाने की कहानी सुनाने लगे।







...जास सिर्फ
सक ही आदमी घदा
सकता है। और वो
है मेरा ख़ाटा भाई
जागा बाबा।



उससे मिलने
जागा पहाड़ी पर
आज ही जाना
होगा मुझे।



जुं

बिकराला के
खतरनाक जंगलों
में स्थित जागा
पहाड़ी। कहते हैं
संसार के सबसे...

...जहरीले और
खतरनाक सांप
बहते हैं इस
जंगल में।



और यह है
बिकराला के
जंगलों का बेतान
बादशाह
जागा बाबा!



यह सदा
की भांति
आज भी
अपने प्रिय
शोक में
मग्न है।

उफ! जाने क्या जादू
है नागा बाबा की बीन में
कि उसे खुल कर सर्प पाताल
में से भी बाहर निकल
जाते हैं।

पीं पीं

नागा बाबा की बीन पर, सर्प तेजी
से खिंचते चले आ रहे थे।

अचानक, बीन
बजानो बन्द
कर दो नागा बाबा
ने और ऊपट
पड़ा सर्पों पर।

हा... हा... हा...!
दुनिया के
सबसे जहरीले
जागों...

फूंस्स... फोंस्स...

फोंस्स...

देनों नाग उस पर दूट पड़े।

...जरा नागा बाबा
को तो दिखाओ
अपना जहुर।

फिक्स्!

फिक्स्!

फिक्स्!



मैं मारा नहीं था,
हालांकि ब्लूनी
दानव ने मुझे मारले
मैं कोई केसर
नहीं छोड़ी थी।

उसने तो

मुझे
अपने विशाल
पाव के...

पैरों के बारे में
आपके निचे
एवं 'महाबली
शेरा और सूनी
दानव'

नीचे कुचल डाला
था, लेकिन शायद मेरी
किस्मत में मौत नहीं
लिखी थी। मैं
बच गया और एक
शिकारी ने मुझे उठा
कर अस्पताल में
भर्ती करा दिया।

फिर चोबाल ने मेरी मात नागा बाबा को बताया।

...और बोला -

और इस
तरह मैं असफल
हो गया। विश्व मेरे
आसने नतमस्तक
होता- होता रह गया।

ओह!
लेकिन अब
क्या चाहता
हूँ तू?

तु अपनी तंत्र
विद्या से उसके
कंकाल को मांस
व खून देगा और
मैं अपने सार्द-
टिफिक तरीके से
उसे जिन्दगी
दूंगा...

सूनी दानव
के जीवित होने
के बाद ही पूरा
विश्व मुकता
हमारे कदमों में।

तरी मदद
से सूनी दानव
को दुबारा
जीवित करना
चाहता हूँ मैं

बोल, मेरा
साथ देने
को तैयार
हैं तू?

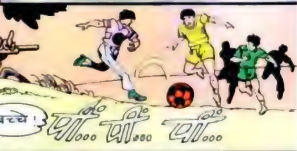
हां।

कुछ देर बाद -

वर्षों से मैं इस नाग
कुण्ड में मृत नागों का
संग्रह करता आ रहा
हूँ। इनको अपनी तंत्र
विद्या में प्रयोग करना
चाहत था मैं, लेकिन
अब ये नाग इस कंकाल
को शरीर देने में काम
आयेंगे।

वाह! ब्लूनी
दानव के
कंकाल पर
नागों का मांस
सोने पर
सुहावा हो
जायेगा
के तौ।





मालती ही बगैरे के आस-पास
हमकते ही गये बच्चे -



और एक पल बाद ही
घमकाद हो गया।
मजबूत बच्चे नीचे
गिरकर साँप में
बदलने लगे।



घाघों के साँपों में
बदलते ही बाज
की तरह ऊपटा
सपेरा ऊँ फर...



और उन्हें अपने झेल
में ठूस कर वहाँ से
अदृश्य हो गया।



उधर पास ही -



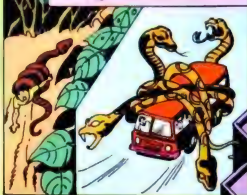
... उससे पहले ही
हवा में लहराकर
बन्सी की भाँति...



...और फिर वे
साँप बच्चों को
लेकर उठ जाते।



शहर में कई विविध बंगों से
गायन होने लगे थे बच्चे।



इन घटनाओं से पुलिस
हैडक्वार्टर में सूचना
आया हुआ था।



...और हम अभी तक
अपहरणकर्ताओं का
सुरासा भी नहीं खोज
पाये हैं।



ओह!

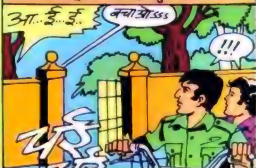
अगर तुम दोनों इस
रहस्य को खोलने
में प्रशासन की मदद
कर सको तो बहुत
मेहरबानी होगी
तुम्हारी।



इतने आरी
पैसाने घर बच्चों
का अपहरण कौन
कर रहा होगा?



अभी एक बिन्दुन पार्क तक ही पहुँचे थे दोनों कि -







और एक नन्ही-सी वस्तु
जब भी सिकलाने का
इच्छा करता है
तब तब ही
उड़ता है।



और सबके देखते ही
देखते —

उफ!
चले गये।

अब यहाँ से चलो।
जब ट्रान्समीटर द्वारा
हमें पता चल जायगा कि
मह साप बच्चों को कहाँ ले जाते हैं।

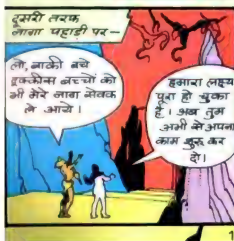


जीप है —

मेरी रिमोट कंट्रोल ने
ट्रान्समीटर के संदेश
कैच करने शुरू कर
दिये हैं। दायें चलो।



राम ने मोटर साइकिल को रहीम के
बताये बाक्सों पर भगा दिया।



दूसरी तरफ
लावा पहाड़ी पर —

लो, बाकी बचे
इक्कीस बच्चों को
भी मेरे लावा सेवक
ले आये।

हमारा लक्ष्य
पूरा हो चुका
है। अब तुम
अभी से अपना
काम शुरू कर
दे।



ठीक कह रहे
हो, आजो।

लेकिन वे इस बात से बेखबर थे कि
एक आदिवासी यह सब देख रहा है।

!!!

कोई तराड़ा
बहुत ही घलप रहा है,
जहाँ, इसकी मूचना
तुम्हारे महाबली शेर
को देखी होगी।

उधर महाबली शेर की गुफा में—

मित्र कालाग्रेत,
इन्से मिलो। वे
डॉक्टर थासमल हैं,
जिनका मैंने तुम्हें
जिक्र किया था।

हेलो
डॉ०! तुम्हें
मिल कर
खुशी हुई।

मुझे भी।

शेर मुझे बता रहा था
कि आप पिछले कुछ
महीनों से जंगल में
उठाने वाले नरभक्षी
पेड़ों पर रिसर्च कर
रहे हैं।

जी हाँ, आप तो जानते ही
हैं कि नरभक्षी पेड़
अन्य पेड़ों की अपेक्षा
कई गुणा तेजी से
बढ़ते हैं।

जी हाँ। यह
बात तो हर
जंगलवासी
जानता है।

मेरी रिसर्च का
यही विषय था कि
नरभक्षी पेड़-पौधे
इतने तेजी से क्यों
बढ़ते हैं?

और आपको यह ज्ञान
कर खुशी होगी कि मैंने उन
पौधों में मौजूद उन जरासीज
का पता लगा लिया है, जो उनके
तेजी से बढ़ने में सहायक हैं।



लेकिन उन
जरासीम की
दुईने का क्या
फायदा है?

फायदा! मि० कालाप्रित,
मेरी खोज कृषि विज्ञान की
दुनिया में एक चमत्कार है।
जरा सोचिए, इन जरासीम की
मदद से हम महीनों में तैयार
होने वाली फसल कुछ ही
दर में तैयार...

... कर सकते हैं।
मेरी यह खोज विश्व से
भुखमरी की समस्या
समाप्त कर देगी।

ओह! यह
बात तो मैंने
सोची ही नहीं थी
वाकई आपकी
खोज मानवता
के लिये वरदान
है।

यही नहीं मित्र,
डॉ० दिवाकर की यह
दवा पशुओं का आकार-
प्रकार भी दैत्याकार
कर सकती है।

क्या?

जी हां, पशुओं पर
यह जरासीम बहुत तेजी
से असर करते हैं। पर
आप चिन्ता मत कीजिए
मैं इसका प्रयोग केवल
कृषि क्षेत्र में ही करूँगा

तभी—

महाबली!
महाबली!!

!!!

क्या हुआ
मोगिया? इतने
घबराये हुए
क्यों हो?

जाना जा मे जो बताया, उसे सुनकर
बल ही पडा महाबली शेर।



क्या बक
बोते हो तुम?

यह सच है महाबली!
वह शहरी अच्छे ही थे, जिन्हें
नाग उठाये विकाला के
जंगल में स्थित नाग पहाड़ी
पर पहुंचे थे। मैंने सबकुछ
अपनी आंखों से देखा है।



ओह!
सचमुच
अविश्वनीव
हैं मे बता।



हमें तुरन्त
बसका पता
बगाला होगा
शेरा।

ठीक है।



आप यहीं
ठहरियेगा प्रो.
साहब, हम लौट
कर मिलते हैं
आपसे।

ओ.के.।



तुरन्त ही—



अभी दोनों सोना
के जंगलों को
पाद करके
आगे बढ़ ही
रहे थे कि
अचानक
चौक पड़े।

जंगल में
मोटर-
साइकिल!

उसके
सवार मुझे
कुछ जाने-
पहचाने
लगते हैं।



जल्दी ही-

कालाप्रेत
और महाबली
अकल।

अरे! ये तो
राम-रहीम
है।

वर्षों बाद
आपसे मिलकर
बहुत खुशी हो
रही है महाबली
अकल।

लेकिन तुम
इस समय जंगल
में कैसे ?

कालाप्रेत के पूछने पर
राम ने सारी बात उन्हें
बता दी।

पूरी बात सुनकर-

ओह! इसका
मतलब गोविन्दा
ने हमें सही
सूचना दी थी।

हो, इस जंगल में कोई गहरा
घड़वैत्र रचा जा रहा है
अकल और इसका पता
लगाना तुम्हें जरूरी
है।

तुम ठीक
कहते हो,
आओ
चलो।

चारों तेजी से आगे बढ़ रहे थे।

उफ! ये संकेत
तो लगता है सोना
के जंगलों के पास
वाले छिकराला के
जंगल से आ
रहे हैं।

लगता
है अपराधी
छिकराला के
जंगल में
ही छुपा है।

जल्दी ही-

संकेत उस
गांववाड़ी की
ओर से आ
रहे हैं।

हमें
सावधानी से
उधर ही बढ़ना
होगा।

काली जागा
पहाड़ी की
लकड़ बरतने
लगी।

दूसरी ओर
जागा पहाड़ी
में —

ये रक सौ रक बरतों
के झूल से भरे प्याले
हैं। इन्हें रक-रक
करके दानव के मुह
में डालना है हमें।

ठीक है
जागा!





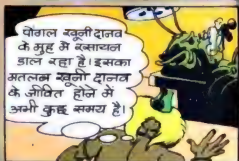
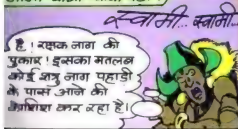
कुछ देर बाद—



तुरन्त ही अपने काम में जुट गया वैगल।



अभी एक क्षण भी नहीं छीला था कि नागा बाबा चौक पड़ा।



अगले पल प्रकट हुए -

लगावू

बेवापडा

बिंहोला

कुल्हाडू

हाली देर तक
पुष्पमणी को मुझे
पताचो हो शक्तियो
से रोकना होगा।

क्या आज्ञा
है स्वामी ?

तुम्हे
उन्हे रोकना
है।

जो
आज्ञा
स्वामी।

चारों मृत्यु दूतों
ने रास्ता रोक लिया
शेरा, कालाघ्रेत और
राम-रहीम का।

उफ़! ये चारों
तो बहुत खतर-
नाक लगते हैं।

ये अचानक
न जाने कहां से
आ टपके।

लगावू, बेवापडा,
बिंहोला और
कुल्हाडू, मेरे
दुश्मन इस
आदेश से नहे हैं...



मुक्ति लाल
कापड़े के
शिरोधार्य
परीक्षण
के लक्षण
की तरफ

... वह उस पर आ कूदा ।

किन्तु लालूरा वहाँ
आ नहीं पहुँचा वह तो कब
का लालूरा की भाँति
उड़ल कर पेड़ से
जटक चुका था।

और फँद रहेम
के संभलने में
पहले ही...

उफ!

यह बेल
शायद मजबूत
कर सके।

उफ! मैं इसकी
धुल्लें का मुकाबला
नहीं कर सकता।
इसके लिये कुछ
और सोचना होगा।

लालूरा के एक शक्तिशाली झटके से
उड़ के उलझ गई वह बेल।

इस बाव जैसे ही
लालूरा कूद कर
रहेम की तरफ
आया।

आ बाले,
अब तुझे मजा
चखना होगा।

समझ भी न सका
लेहूना कि कब बेल
ने उधे जकड़ लिया।
और जब तक
वह समझ पाता...

देवों... देवों...



...चक्कर धिल्ली बना
डाला वह रहीम ने उसे...

और फिर...



देवों...
देवों...

मर
दुष्ट!

इधर राम का प्रतिद्वन्द्वी स्वपदा
उमर पर भारी पड़ रहा था। कारण
था उसकी आंखों से निकलती अग्नि
किरणें।

उफ! इसकी
साथी शक्ति
इसकी आंखों
में है।

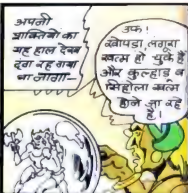






धड़क

कुल्हाड़ा हाथ में होने से कुछ नहीं होता। सटीक वाद करला भी आला चाहिये।



अपनी शक्तियों का यह हाल देख दंगा यह गंगा ना जावा—

उफ़! खोपड़ा, लंगुरा खत्म हो चुके हैं और कुल्हाड़ा व मिहोला खत्म होने जा रहे हैं।



लेकिन मैं कैसा नहीं होने दूंगा।

गंगा के हाथ से निकल कर किरणें...



आलो बंदी

...और जा टकराई मिहोला और कुल्हाड़ा से।

ओह! यह क्या?

अन्धकार ही क्षण केरा और कालाव्रत
की लम्बा तेज अन्धकार



जोड़ जा विदे
कीचे...

इसी के साथ दोनों
शैतानों ने कद दिये
बाद।



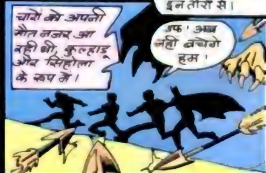
बख्म-बखिम ने सही मौके पर
बखलकर बचाया दोनों को।



और सिंहाला द्वारा धोड़े गये पंजों से—



चारों को अपनी
मौत लज्ज आ
बही बी, कुल्हाड़
और सिंहाला
के रूप में।





शिव और धनुर्धर



भड़क।
काला,
धनुर्धर और
भूयाल।

हमारे होते राम-
रहीम का अनिष्ट
सोचने वाला जीवित
नहीं बच सकता।

ॐ
ॐ

काला, भूयाल और धनुर्धर के बारे में जानने के लिए पढ़ें राम-रहीम का 'सूनी बंगाला मुखि और नरपिशाच'

काला की
आँखों ने तो
आँखें छोड़
दिया तुम्हें।
लेकिन...

...मेरे बाण
ऐसी भूल
नहीं करेंगे।

...ले मौत बरखा दी देने को -



धनुर्धर के छोड़े तीरों...

उन्हे मारने के बाद -

तुम तीनों
अचानक
यहां कैसे
आ गये ?

गुरुजी ने
अपनी दिव्य-
दृष्टि से तुम्हें
संकट में फंसा देव
लिया था, इसीलिए
उन्होंने तुम्हारी
मदद को तुरन्त हमें
भेज दिया।



फिर राम कालाप्रेत व शेर का उन
तीनों से परिचय करवाने लगा।



घिंता मत
करो पोताल। इसका
पूरा शरीर नागा-
मांस के बना
हुआ है...

ठीक उसी समय
गुफा के अन्दर -

इसे होश आ रहा है।
नागा, तुम्हे पूरा
विश्वास है न तुम इसे
कंट्रोल कर लोगे। कहीं
मेमा न हो, यह हम
पर ही हमला कर दे।



...और तुम
जानते हो कि
दुनिया का कोई भी
नागा मेरी इस बीज की
स्वर लहरी के जाल
से बच नहीं सकता।



कुछ क्षण
बाद -

वोइस वीइस

नागा, वह
पूरी तरह होश
में आ गया है।

इधर
मुनी दानव
जागा...

उधर बीन बजानी शुरू कर दी नागा ने

पीं३३३ पीं३३३



बीन की चुन फव मज-
मूध हो उठा वह शैलान-

पीं३३३ पीं३३३



शाबाश नागा!
आजारा। विश्व की
आजसे प्रलयकारी
आग्नि को वश में...

... कर
लिया तुम्हारी
बीन ने।

उधर
बाहर-

यह बीन
की आवाज कैसी
आ रही है गुफा
के अन्दर से।

कोई
गड़गड़
लगती है,
दोस्तो!

आओ
देखते
हैं।



पीं३३३ पीं३३३

कसभी ने आगे
बढ़ना चाहा...

तभी बीन
बजाने वाले
बुढ़ बाहर
आ गये।

हूँ...
हूँ...
हूँ...

!!!



कौन
हो तुम ?



तुम नहीं जानते मुझे,
लेकिन मैं खूब अच्छी
तरह जानता हूँ तुम्हें। तुम
वही -यादों हो, जिन्होंने मेरे
खूनी दानव को स्वतन्त्र
किया था।



खूनी दानव!

खूनी दानव
से क्या संबंध
था तुम्हारा ?

खूनी दानव को
बनाया था मैंने। पूरी
दुनिया को अपनी
शक्ति दिखाने के
लिए...



ईजाद की
थी उसकी।
लेकिन
तुमने उसे
स्वतन्त्र करके...



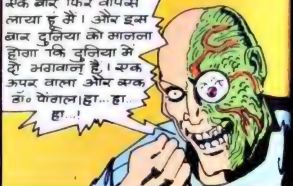
... मेरे वपनों को
मिट्टी में मिला दिया
पर इस बार ऐसा
नहीं होगा। तुम लाख
कोशिशों के बाद भी
खूनी दानव को
स्वतन्त्र नहीं कर
पाओगे।

क्या ?

इसका मत-
लब तुमने खूनी
दानव को पुनः
जीवित कर
दिया है ?



हा, खूनी दानव को
एक बार फिर वापस
लाया हूँ मैं। और इस
बार दुनिया को मानना
होगा कि दुनिया में
दो भगवान हैं। एक
ऊपर वाला और एक
तो... ये वाला हा... हा...
हा...!



अगले
पल—

खूनी दानव
बाहर
आओ!

एक भयंकर गर्जन से काय
उठी जाग
काही!

वाँड्ड्ड्वाँ
ड्ड्ड्वाँ

हे भगवान् !
इस शैतान ने तो
वाकई खूनी दानव
को पुनः जीवित
कर दिया है।



तमी—

खूनी दानव,
डूट पड़ो इन
पर।

आदेश
मिलते ही...



जमीन को
बौदता हुआ
आगे बढ़ा
खूनी दानव।

कुछ करिये
महाबली अंकल।
खूनी दानव हमारी
तरफ बढ रहा है।

बगैर
आधुनिक हथि-
यारों के खूनी
दानव से टकराना
मूर्खता होगी। यहाँ से
भागना ही ठीक होगा।

शेरा की बात
सुनकर बिफर
उठा बहीम—

वे आप कैसी
कायरों वाली
कर रहे हैं। हम
भविष्य नहीं,
बल्कि इसका
मुकाबला करेंगे



समझने की कोशिश
करो बहीम। महाबली
अंकल ठीक कह रहे हैं।
हमें यहाँ से भागकर इसे
खत्म करने के इन्तजाम
करने होंगे, वरना यह
शैतान पूरी दुनिया में
तबहो मचा देगा।

लेकिन यहाँ
से भागकर भी कैल-
सा हम बच जायेंगे।
खूनी दानव कब
तक भागने देगा
हमें?

इसका इलाज
है मेरे पास।
लेकिन इसके लिये
हमें कुछ समय
चाहिये।

भी ज्वाला कह उठी-

उसकी चिल्ला
तुम मत करो।
इसे आगे बढ़ने
से हम रोकेंगे।

हां मित्रो तुम
जाकर अपना
कार्य करो।
तब तक हम
रोकते हैं इसे।

वां वां वां

ज्वाला
ठीक कह
रही है।
आवो!

बिना एक क्षण गंवाये
भावा उठे चारो।

चारों तेजी से आगे
बढ़ रहे थे।

कहा चलने
का इरादा है
शेरा ?

मेरी गुफा
में।

क्या है महाबली शेरा
की गुफा में, जो खूनी
दानव को बाध सकता है ?

इधर खूनी दानव के सामने आ
खड़े होने पर धनुर्धर, ज्वाला और
भूचाल ने तुरन्त ही बस पर
अप-शक्तियों
का स्नेमाल किया।

बस, यहां
से आगे नहीं
बढ़ने दूंगा तुम्हें।

लेकिन खूनी
दानव ने उन तीनों
के इरादों पर पानी
फेर दिया था।



इधर -

तुम्हारे कहने का मतलब है, मैं इन जरासीम को इस घेपाजी में इजेक्ट करके इसे लो फुट का कर दूँ।

जी हाँ प्रोफेसर साहब। यदि आपके जरासीम ने यह चमत्कार कर दिखाया तो समझ लीजिए आपने दुनिया...

...को विनाश से बचा लिया है।

दुनिया का विनाश, मैं कुछ समझ नहीं।

आपको पूरी बात में बताता हूँ। सुनिये।

पूरी बात सुनकर -

क्या ?

खूली दानव ! वह शैतान फिर जीवित हो गया।

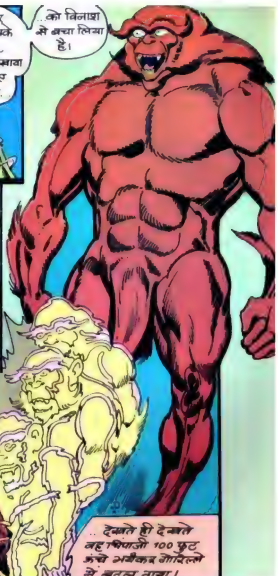
जी हाँ।

अब देर न कीजिये प्रोफेसर साहब, तुरन्त ही अपना काम शुरू कर दीजिये।

ठीक है।

प्रोफेसर दिवाकर ने वह अद्भुत जरासीम उस शिपाजी को जहाँ में इजेक्ट कर दिये और...

देखते ही देखते वह शिपाजी 100 फुट ऊँचे भयंकर गोदिले में बदल गया।



उसके दैत्याकार बनते ही
शेरा के मुँह से गोदिल्ले
की आवाज निकली।

जब मैं गोदिल्ले भी देख

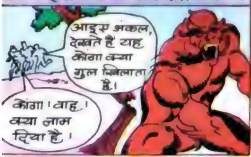
अबाले पल शेरा उसकी
भाषा में उसे झूली दानव पर
हमला करने के लिये आदेश
देने लगा।

चिं० चिं०
॥॥॥



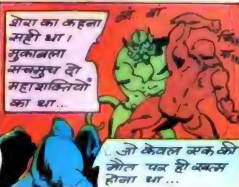
चिं० ॥॥॥
यां ॥॥॥

आदेश मिलते ही गोदिल्ले
उस ओर भाग भिया, जिधर से
बाज-महीन शेरा व कालाग्रेत आये थे।



झोझ ही...

नां... वां...
चिं० ॥॥॥ यां ॥॥॥



दो दानव
आमने-सामने
थे एक-दूसरे के-

अब क्या
होगा?

कुछ नहीं
कहा जा सकता।
दोनों ही महाशक्ति-
शाली हैं।

शेरा का कहना
सही था।
मुकाबला
मनमुग्न दो
महाशक्तियों
का था...

जो केवल एक की
जेल पक ही बल्लस
होना था...

लेकिन बहुत
होने को तेज़ाब
कोई भी
न था

...न कोगा...

...और न
बहुली दानव-

धड़ा म

सड़ाक

सड़ाक

चिंड़
गं... वी...

अचानक-

कोगा तो
भाग रहा
है अकल !

कोगा के भागने
में जरूर उसकी
कोई चाल है, वरना
तोड़िल्ले अपने
प्रतिद्वन्द्वी को खत्म
किये बिना मैदान
नहीं छोड़ते।

आपका कहना
सही है प्रोफेसर
साहब। देखिये,
कोगा क्या कर
रहा है।



ओह! वह तो
उस बड़ी-बड़ान
के पीछे छिप
बहा है।

वाँवाँवाँ

शेरा का
सोचना
ठिक था।
कोणा
सचमुच
चाल चल
बहा था।

वह जरूर
खुनीदानव पर
छिपकर तार
करना चाहता है।

जैसे ही खुनीदानव उसके पास
पहुंचा, वैसी ही कोणा बिजली की
तैली से उसकी पूछ पर झपटा।

पूछ हाथ में
आते ही उसकी
चक्कर धिल्ली
बना डाला
खुनीदानव
को।

वाह! क्या
जोरदार
चाल-चली
है कोणा ने।

कुछ देर हवा में घूमने
के बाद कोणा ने खुनी
दानव को झटके से
होड़ दिया।

बला की
तेजी से संभला
खुली दानव
और...

वां... वां...

यहां परी चट्टान उठा कर कोश पर फेंक मारी।



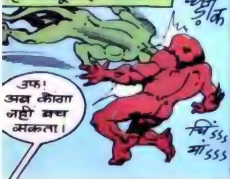
...और फिर संभल
न सका...



...सूनी दानव
की पूछ की
फटकार साकर।

भारी चट्टान की जबर-
दस्त थोट से लड़खड़ा
उठा कोंगा...

पल-प्रतिपल हाथी होना जा
रहा था खुली दानव उस पर।



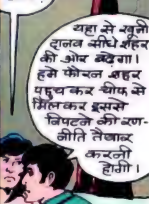
उफ!
अब कोंगा
नहीं बच
सकता।

वां... वां...
वां... वां...

चि...सां...
चि...सां...



अब
क्या
किया
जाये?



यहां से खुली
दानव सीधे शहर
की ओर बढ़ेगा।
हमें फौरन शहर
पहुंच कर थोक से
मिलकर इससे
बिपटने की रण-
नीति तैयार
करनी
होगी।

अपने बहाने को
दबाना ही राजे ।



उधर मौत के
दरवाजे पर
पहुँच चुका
था कैलाश।



नवनीदानव के उठे हुए पंजे बेहद तेजी से आकर कौगा के सीने में धस गये।



और फिर-



फिर जूनी दानव
किन्ही भूखे कुत्ते
की आँखों के आगे
की लाश पर
हट पड़ा।





दूसरी ओर चीफ मुन्बली के
ऑफिस में -

यह सच है चीफ,
डॉ० पोगल नामक
उस पाठाल वैज्ञा-
निक ने खूली दानव
को फिर से जीवित
कर दिया है।

और अब
खूली दानव
शहर की ओर
आ रहा है।

तो अब
क्या किया
जाए उस
शैतान को
रोकने के
लिये?

मेरे दिमाग
में एक
उपाय है।

वह
क्या?

कुछ ही देर बाद -

जंगल से शहर के
दाखिल होने का
एक ही रास्ता है और
वो है काली पहाड़ी
वाली खाई का पुल।

खूली दानव को
रोकने और खत्म
करने की शुरुआत
हमें वहीं से करनी
होगी।

सुनिये, मैं
बताता हूँ।

हां, फिर?

वह
कैसे?

फिर राम अपनी
योजना सबको समझाने लगा।

कुछ ही देर बाद
काली पहाड़ी की
बगल में के ऊपर बने
झाहर और जंगल को
जोड़ने वाले पुल के नीचे।

हर आदमी के हाथ बिजली
की-सी तेजी से चल रहे थे -

जल्दी करो
जल्दी करो!



जल्दी
करो। पूरी
खाई को
बान्हद से
भर दो।

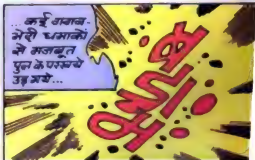
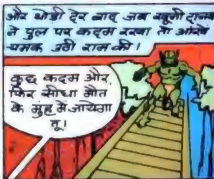
कुछ ही देर की
मेहनत के बाद -

काम हो
गाया ?

यस सर।
पूरी खाई
को मेहनत
शक्तिशाली
बलों से
भर दिया
गया है।

और पुल की
विशति क्या है ?

पुल पर
भी हर एक
फुट के बाव
कई शक्ति-
शाली बम
लगा दिये
गये हैं।



बाहरी नबाइ
में शिष्टता चला
गया खुली
दानव !

और जैसे ही उसका शरीर
बाई की सतह से टकराया,
वातावरण पुनः भरी उठा
भोषण धमाकों से।

नॉकआउट
नॉकआउट
बड़ा म
बड़ा म

कई घण्टों तक
बाई में
धमाके होते रहे...

फिर शान्ति हो गई -

तुम्हारा एलान
कामयाब रहा राम!
खुली दानव स्वतंत्र
हो गया।

अल्लाह का लारव-
लाव मुक है, वरना
आज क्यामत बरपा
हो जाती बहर मे।

हर मक के चेहरे
पर बाई खुली

...अचानक इस भयंकर
आवाज को सुनकर
उड़नधू हो गई।

!!!

!!!

दीई दी

या
अल्लाह!

भागो!

और उस समय
तो होश हो फाकता
हो गया उनके, जब
उन्हें खाई से
निकलता दिखा-

हे ईश्वर! ये
अभी तक
जिन्दा है।

खूनी
दानव!

अरे!

सभी भाग
वगे हुए।

मगर शेर को
अभी भी कुछ
उम्मीद थी।

बारूद की यह
पेटी अपने साथ
लिये चलता हूँ,
काम आवेगी।

बारूद की
पेटी को क्यों
उठा लीये
शेरा!

इसके बल पर
खूनी दानव को
रोकने का एक
तरीका मुझे भी
सूझा है।

क्या?

शेरा ने बताया
वह तरीका।

तरीका तो
सही है अंकल,
लेकिन इसमें हम
सबकी जानें भी
जा सकते हैं।

खूनी दानव को
बर्तम करने के लिये
इतना रिस्क तो हमें
लेना ही होगा।

ठीक है अंकल,
आप खूनी दानव
को अपने पीछे लगा
कर वहाँ पहुंचिए।
हम वहाँ का मोर्चा
संभालते हैं।

ओ.के!

कहाँ पर मोर्चा
लگانे की बात कर
रहे हैं से लेबा?

फैजल ही बारूद
की पेटी लेकर
भाग-वगे हुए दोनों-

और तेज
राम!

जा रही है।

बस इस तरह लगाना वही कि बस का असर ज्यादा से ज्यादा हो।

यह क्या? ये दोनो यहाँ बस क्यों लगा रहे हैं?

दोनों बेहद तेजी से काम में जुटे हुए थे -

कूद ही पलो बाद-

काम हो गया। अब देखना यह है कि महाबली और कालाप्रेत अकल...

...बूनी दानव को अपने पीछे लगा कर यहाँ तक पहुँच पोते हैं या नहीं।

उधर कालाप्रेत और शेषा बेहद तेजी से आगे भाग रहे थे।

और तेज दोस्त, यह हमारे जाल में फँस चुका है।

जोंस जोंस जोंस

...और उनके पीछे था बूनी दानव।

अचानक...

लोन्घे आ गिरा कालाप्रेत।

झर्रा!

और इससे पहले कि वह समझ पाता, बूनी दानव ने जकड़ लिया था उसे।

ओह!

उफ! बूनी दानव कालाप्रेत को खाने जा रहा है। कैसे रोक्के उसे?

अचानक आग्रा को किरण नजर आई शेषा को।

ये चट्टान!

कुछ किसी भी तरह इस भारी चट्टान को उठाना पड़ेगा।

अपनी पूरी शक्ति लगा दी शोरा
ने गड्ढा उठाकर बबूनी दानव
के मुँह में ही की तरफ फेंकने में।



शोरा के इस आद
ने एक पल के सिने
हड़बड़ा दिया बबूनी
दानव को।

शेध ने तिलमिलात
बबूनी दानव काला-
प्रेत पर अघटा-

एक बार फिर देखो
आज झुंड कर भाग
रहे थे बबूनी दानव
से बचने के सिने-

वां वां

और वही पल बहुत
था कालाप्रेत के सिने।



बस अब तू
मुझे नहीं फंसे
रह सकता।



ओह!



जल्दी ही-

वो दोनो आ
रहे हैं, अपनी
रिवाजवर जल्द
निकाल लो
बहीम।



फाव!

जैसे ही
महाबली शोरा
और काला-
प्रेत ने यह
दर्शा पाया कि-

हमारे देश की सुरक्षा का ध्यान रखते हैं।
हमारे देश की सुरक्षा का ध्यान रखते हैं।
हमारे देश की सुरक्षा का ध्यान रखते हैं।



के साथ दोनों ओर के
पूरी पहचानों और
भरा कर खुली दाढ़ी
के अर्थ आ गिरी।



और फिर
बमों के तेज
धमाका



आगे आगे हुये
लोग अब धीरे-
धीरे वापस आते
आ रहे थे।

कुछ ही पलों में...



हे भगवान्!
कितने लम्बे
दात हैं इसके।

हाय! आंखें तो
देखो, जैसे लोहा
गालने की काई
अही हो।



अकल, अब
पेट्रोल से भरे
कुछ हैलीकॉप्टर
मरावाट्टे। इस समय
बेबस हो गया है खुली
दानव। उसे

बेबस हो कर
रह गया खुली
दानव।

ओ के।



पेट्रोल की
आग में जला-
कर हम खत्म
कर देते।

दूधर लोगों ने तमाशा बना लिया
था खूनी दानव को-

स्माइल
प्लीज!

हिच्च! आज
अपुन अपनी बोलन
तेरे साथ बैठ के
पियेगा! हिच्च!

तभी अचानक...

अरे!

उफ!

हिच्च!
अरे, ये तो
नाबाज हो
गया। अलो!
हिच्च!

ओह!

... भावना-बाहा
लोगों ने ...

सगल खूनी दानव ने
इन्सा नौका खिली
को ज दिया।

आई...

ई...

आई... ई...
ई...

उफ! हमारे हमलों ने
खूनी दानव के गुस्से की
आग में घी का काम
किया है। अब यह
कहर बनकर दूटेगा
लोगों के ऊपर...

ज जाबे बीच अकल
पेट्रोल से अरे हैंली-
कोप्टर लेकर अभी
तक कबो नही पहुंचे।

अगर वे जल्दी
ही न आये तो
अलर्ध हो
जयिगा।

तभी सकारक आकाश
हैलीकॉप्टर की गड़-
गड़ाहट से गूँ उठा।



आगे यहा से अब
यहा पेट्रोल की
खारिश होगी और
फिर लगेगी
भरकर अगा।

राम का कहना सही था।
दुसरे ही क्षण खूनी दानव के
ऊपर पेट्रोल की बारिश होने
लगी।

जल्दी ही -



शेरा, कालाबेल, बाग-
बहीम और उन्न लेगा
मुझ ही वहा से अगा
कबड़े हुस।

अब ये
हैन्डग्रेनेड
अपना काम
दिखायेंगे।

जल्दी ही दोनो हैंड-
ग्रेनेड पेट्रोल के पास
पहुंच कर आपस
में टकराए और-

अगले पल खूनी
दानव आग के
शोलो से घिबता
चला गया।

अब नही
बच सकेगा
खूनी दानव!



५५५ di ५५५

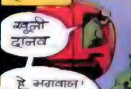


लगाभवा पांच घंटे तक उस क्षेत्र में आवा ही आवा दिखी।



कुछ नहीं दिखाई दिया वहा आवा के सिवा।

और फिर आवा के बलम होने के बाद जो पहली बात दिखी थी मुखर्जी को वह था —



हे भगवान्! यह अभी तक जिन्दा और सही-सलामत है।

स-चलो से विश्व की भी शक्ति नहीं है सकती। स्त्री-चलो।

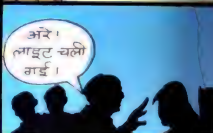


तुरन्त ही हेलीकॉप्टर को शहर की तरफ मोड़ दिया गया।



पहले से ही पहुंचे बाम-शेरा और काली प्रेत को फेक मुखर्जी ने काफ़स आ-फारी बात बताई।

और फिर मचायेगा भयंकर तबाही।



अरे! लाइट चली गई।

ह! मतलब दानव अब की तरफ रहा है।

हां, ज्यादा दूर नहीं है वो। दस-बारह घंटों में वह

शहर में पहुंच जायेगा



ओह।







आंखें पथराई थीं सभी
की और सांसें थम गईं
थी उस समय, जब
खूनी दानव टकड़ा
करंट दौड़ती
ताली से।

पींसीपींसी

चिह्न

सक पल के लिये खूनी
दानव की दर्दनाक चीखों से
बूझ उठा सांचा बलाघरण।

और फिर
दूसरे पल—

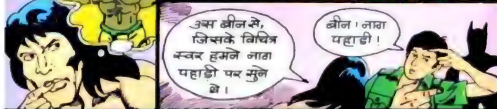
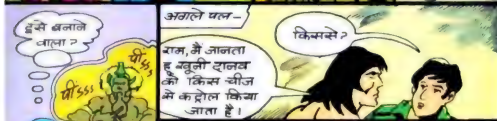
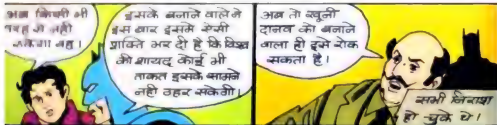


अब अपने सामने आई सक
और बाधा को तबाह करने
में जुट गया खूनी दानव।

सभी के चेहरों
पर नजर आने
लगी थी उदासी—

अब कुछ नहीं
हो सकता। हर
तरह से खूनी दानव
को रोकने का प्रयास
कर चुके हैं हम।





...जागा पहाड़ी से कुछ ही दूर उतरा था।

यहां बेहद सावधानी से आगे बढ़ना होगा वरम।

अलग-अलग दिशा से पहाड़ी की तरफ बढ़ो में उन्हें बाहर निकालने का इन्तजाम करता हूं।

सब अलग-अलग दिशा में फैल गये। तब राम ने अपनी जेब से एक बम निकाल कर उससे आग लगा दी।

यह बम उन्हें बाहर निकालेगा।

फिर उसने बम दूर उछाल दिया। तेज धमाके से गूंज उठी पूरी पहाड़ी।

धड़ाम

बाहर धमाका कैसा हुआ?

बाहर चल कर देखना होगा।

और सामने बड़े नाम की देव उबल पड़े -

क्यों, हैरान हो न गये देखकर

तुम!

दोनों बाहर आगे

जिसने चौंका कर सब दिवा था अब्बरे बड़े पौराण और जागा आवाज को-

तुने यही वापस आकर अपनी मौत बुला ली लड़के।

ये साप तुम्हें ज़िन्दा नहीं छोड़ेगा।

लेकिन वे पहुंच न पाये राम तक-

घांघ

घांघ

इतना आश्चर्य नहीं है किसी को मौत देना।

ओह! तो तुम भी हो इसके साथ!

...आदाब बना लाता हूँ साहब लोगों को।

ये ही नहीं, अपुन भी हूँ



अफ! वे चांदी हमारी
तर्फ ही आ रहे हैं।
इन्हें अपने बस में
करने के लिये मुझे
अपनी बीन का
प्रयोग करना
होगा।



और फौरन दौड़ पड़ा अपनी
बीन की तरफ।

फस गया
हुमाये
जाल में।

पर बजा नहीं
पाया वह उसे,
क्योंकि -

वह तेजी से बीन की
तर्फ भागता, तभी -



अरे!!
सर...



अब तेरी
बीन दुबारा
नहीं मिलेगी
तुम्हें।

बहीम ने छलांग
लगाकर उठा तो
बीन।

अपनी बीन को गैर के
हाथ में देखकर तडप
उठा नागा बाबा।

वह हलक
फाड़कर चीखा -
अग्नि नागा!

इसी बीन के
लिये ही तो हम
यहां तक चला-
कर आये हैं
प्यारे।

मेरी बीन को
लेकर नहीं जा
सकते तुम।

...मेरा
सेवक अग्नि
नागा ऐसा
नहीं करने
देगा तुम्हें।



अफ!

अफ!



तभी नहीम को सूझा अग्नि आग से बचने का उपाय।

बिना एक क्षण गंवाये नहीम ने बील बजाती शुरू कर दी।

जिसका तत्काल असर हुआ।



अपनी आग को मूल कर हवा में ही मृत्यु करने लगा अग्नि नाग।



उफ! बील बजा कर अग्नि नाग को बस में कर लिया उसने।





तीनों ने लात-घुंसे पर रख लिया था पोवाल और भागा भागा को।



इधर कालाप्रित के तेज घुंसे से पोवाल के मस्तिष्क से निकली उसकी चेतना -



और उधर शरा के वार से निकले भागा भागा के प्राण।



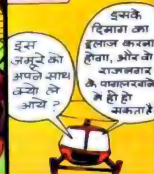
और यहाँ -



बहीम, मजाक छोड़ो और फौरन निकल चलो।



कुछ पलों बाद ही आपस शहर की तरफ उड़ रहे थे - चेतना।



इस बीन से हम खूनी दानव को जरूर रोक लेगे।

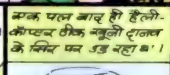
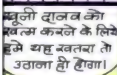


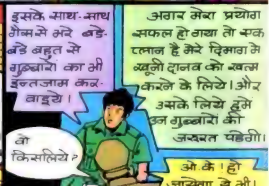
वह अभी शहर में नहीं घुस पाया होगा।

लेकिन कालाप्रित का सोचना गलत था

धुली दाल के शहर में
प्रवेश कर चुका था...







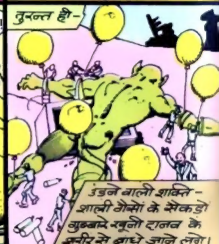
बीन के गुंजते स्वर ने जल्दी ही कर दिया था उसे मन्त्र-मुग्ध...

...और किसी विशाल नागा की तरह झूमने लगा वह।



कुछ ही पलों में अपनी सुध-बुध खोकर बीन की स्वर लहरी पर नाच रहा था वह।

अधिक देर तक अपने पैरों पर खड़ा नहीं रह सका खूनी दानव और -



और ये क्रम लब लक चलता रहा...

...जब तक...



...उन गुब्बारों ने उड़ा न लिया था खूनी दानव को।

गुब्बारों ने उड़ा लिया खूनी दानव को। अब अपने हैलीकॉप्टर से रस्सी फेंको, ताकि हम उसका दिशा निर्दिष्ट कर सकें।



ठीक है। ये काम मैं फौरन करता हूँ।



तुरन्त ही—

अब गुब्बारों से बंधा खूनी दानव उस हैलीकॉप्टर के साथ उड़ रहा था, जिससे निकल नहीं थी बीन की स्वर लहरी।



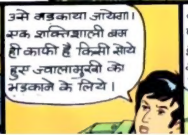
कहा चलने का इरादा है ना ?

वाल्केनो सरिये में।

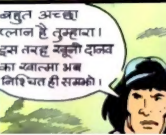
ओह ! तो तुम खूनी दानव को किसी मुप्त ज्वालामुखी में डालकर स्वतंत्र करना चाहते हो ?



लेकिन खूनी दानव इससे स्वतंत्र कैसे होगा ? मुप्त ज्वालामुखी भड़काने कैसे ?



उसे भड़काया जायेगा। एक शक्तिशाली बम ही काफी है किसी सोये हुए ज्वालामुखी को भड़काने के लिये।



बहुत अच्छा प्लान है तुम्हारा। इस तरह खूनी दानव का खात्मा अब निश्चित ही सम्भव है।

कुछ पलों बाद —

वही ज्वाला-
मुखी ठीक रहेगा
बबूली दानव के
लिये।

अगले पल राम के
हाथ में धीमे रिमोट
का बटन दबा...

...और इसके साथ ही —

बड़म



गुब्बारों की
रस्सियों से
बंधे बमों ने
धमाके के साथ
गुब्बारों को
आजाव कर
दिया...



और
खुली दानव
जा हीरा सुन
ज्वालामुखी में —

इसके साथ
ही —

वे शक्तिशाली
बम सुप्त ज्वाला-
मुखी के गुब्बारे को
भड़काने के काम
आचेंगे।



जैसे ही बम
ज्वालामुखी की
सतह से टकरा-
कर फटे...

बड़म



बड़म

...वैसे ही
भड़क उठा था सीसा
हवा ज्वालामुखी।



कुछ देर बाद
निकलने वाला लावा
अपने भाव खून और
मांस के लोथड़े भी
लेकर निकला बा।

उफ़! आखिर
खूनी दानव को
खत्म कर ही
डाला हमने।

पूरे विश्व ने
चैन की सांस
ली थी इस
खबर को
सुनकर।

थैंक
गॉड!

तेरा लाख-लाख
शुक्र है परवर दिवार।
तूने अपने बन्दों की
सुन ली।

जहाँ रक्त और पूरा
विश्व खुशियाँ मना
रहा था वही राज-
नगर पाताल-जाल
में—

नहीं, खूनी दानव
नहीं मर सकता...
फिर आयेगा खूनी
दानव... मैं उसे
फिर लेकर
आऊँगा। हा
हा... हा..!

समाप्त